B.Ed. 1st Year
Session – 2019-2020/2021
Subject – Pedagogy of Social Science
Course – 7 (A) /Unit – 2(d)
Topic – पाठ्यचर्या या पाठ्यक्रम (Curriculum)
Lecture No. - 37

Dr. Amod Kumar Sinha
(Assistant Professor)
Department of Education
A.N. D. College
Shahpur Patory
Samastipur

भूमिका

शिक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयास किया जाता है। इसके लिए विद्यालयों में सभी कक्षाओं के स्तर पर विषयों का निर्धारण उस स्तर के लिए निर्धारित किए गए शिक्षा-उद्देश्यों पर निर्भर करता है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु पाठ्यचर्या या पाठ्यक्रम को निर्धारित किया जाता है। यह विद्यालय की समस्त शिक्षण क्रियाओं का आधार होता है।

पाठ्यचर्या का अर्थ

पाठ्यचर्या या पाठ्यक्रम शब्द का अंग्रेजी रूपांतर 'Curriculum' है। 'Curriculum' शब्द की उत्पत्ति लैटिन शब्द 'Currere' से हुई है। 'Currere' का अर्थ है 'Race Course' अर्थात्त दौड़ का मैदान। अतः शाब्दिक अर्थ के अनुसार पाठ्यचर्या वह मार्ग है जिस पर चलते हुए बालक शिक्षा के उद्देश्य को प्राप्त करता है।

पाठ्यचर्या की परिभाषा

पाठ्यचर्या की कुछ महत्वपूर्ण परिभाषाएँ इस प्रकार है -

1. **फ्रॉबेल (Frobel)** के अनुसार, "पाठ्यक्रम को मानव जाति के संपूर्ण ज्ञान तथा अनुभवों का सार समझना चाहिए।"

2. **कनिंघम (Conningham)** के अनुसार, "कलाकार (शिक्षक) यह (पाठ्यचर्या) एक साधन है जिससे वह पदार्थ (शिक्षार्थी) को अपने आदर्श उद्देश्य के अनुसार अपने स्टूडियो (स्कूल) में ढाल सके।"

3. **मुनरो (Munroe)** के अनुसार, "पाठ्यचर्या में वे सब क्रियाएँ सम्मिलित हैं जिनका हम शिक्षा के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए स्कूल में उपयोग करते है।"

4. **माध्यमिक शिक्षा आयोग** के अनुसार, "पाठ्यचर्या का अर्थ केवल उन सैद्धांतिक विषयों से नहीं है, जो स्कूल में परंपरागत रूप से पढ़ाये जाते हैं अपितु इसमें अनुभवों की वह संपूर्णता भी सम्मिलित होती है जिनको बालक स्कूल , कक्षा, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, वर्कशॉप तथा खेल के मैदान एवं शिक्षकों और छात्रों के अनगिनत अनौपचारिक संपर्कों से प्राप्त करता है। इस प्रकार स्कूल का संपूर्ण जीवन पाठ्यचर्या बन जाता है, जो बालकों के सभी पक्षों को प्रभावित कर सकता है तथा उसके विकास में सहायता देता है।

पाठ्यचर्या एवं पाठ्यवस्तु में अंतर

पाठ्यचर्या (Curriculum) - जैसा कि पहले दिये गए परिभाषाओं से स्पष्ट है के पाठ्यचर्या के अंतर्गत वे सभी अनुभव समाहित हैं जो विद्यार्थी विभिन्न वषयों के शिक्षण, संपर्क या अंतःक्रिया तथा विद्यालय के अंदर या बाहर आयोजित होने वाली पाठ्य या पाठ्येत्तर क्रियाएं सम्मिलित होती हैं।

पाठ्यवस्तु (Syllabus) - एक शैक्षणिक सत्र में जो विषयवस्तु पढ़ाई जाती है, जो ज्ञान, कौशल, अभिवृत्तियाँ स्तर के अनुसार उद्देश्यों के साथ शिक्षार्थियों में विकसित किये जाते है, वह सब पाठ्यवस्तु है। इसमें यह भी उल्लेखित रहता है कि मूल्यांकन में किन बिन्दुओं पर कितना जोर होगा। मोटे तौर पर यह कहा जा सकता है कि पाठ्यवस्तु में पाठ्य-विषयों एवं उनसे संबंधित कार्यों एवं क्रियाओं का विवरण होता है।

To be continued.....